ASU NEWS-LETTER

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

Vol .2 No.4

July-August 2017

Allahabad State University
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

(Dr.) Sahab Lal Maurya
Registrar
Mobile No.: +91-9415291923
Ph(O): 0532-225607
email: registrarasua@gmail.com

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

R.B. Yadav
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9450369881

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

– श्रीमद्भगवद्गीता

कुलपति की कलम से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रशासन सत्र 2017–18 के शुभारम्भ के अवसर पर नव–प्रवेशित छात्र–छात्राओं, कार्यरत शिक्षकों एवं सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्रबंधकगण और अभिभावकगण का स्वागत एवं अभिनंदन करता है। विगत सत्र में सबके सकारात्मक सहयोग एवं शुभकामनाओं से इस नवस्थापित राज्य विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के उन्नयन एवं विस्तार के लिए ठोस प्रयास किये हैं। इन सबके सकारात्मक परिणाम सर्वत्र परिलक्षित हो रहे हैं।

राज्य एवं केन्द्र के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में यह राज्य विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है, विशेष रूप से हम नये भारत के नवनिर्माण एवं उच्च शिक्षा से सम्बंधित विविध क्रियाकलापों यथा–प्रवेश, नकलविहीन परीक्षा, वित्त, सामान्य प्रशासन आदि सभी क्षेत्रों में ऑन–लाइन एवं डिजिटलाइजेशन के प्रति पूर्णरूपेण कृतसंकल्पित हैं। वार्षिक कैलेण्डर के अनुरूप समस्त क्रियाकलाप जारी हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय राज्य का ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने अपनी स्थापना के उपरान्त गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए विधिसम्मत कदम उठाते हुए समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठयक्रमों को राज्य/केन्द्र सरकार की मंशा के अनुरूप पूर्णरूपेण व्यावहारिक और अप–टू–डेट बनाया है। स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू है, पठन–पाठन सुचारु रूप से जारी है। हमने शोध–अध्यादेश, शोध प्रोजेक्ट और पं0दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना की दिशा में सफलता हासिल कर ली है।

इन सभी क्रियाकलापों को गतिमान करते हुए हम इस राज्य विश्वविद्यालय की समुन्नति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करने हेतु बद्धपरिकर हैं।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

राज्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश हेतु दिशा-निर्देश जारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों को सत्र 2017–18 के प्रवेश के सम्बंध में गाइड लाइन जारी की है। उन्होंने कहा है कि शैक्षिक सत्र 2017–18 में उन्हीं पाठ्यक्रमों और विषयों में प्रवेश लिए जाएं जिनकी सम्बद्धता दी गयी हो। इसका उल्लंघन मिलने पर संबंधित कॉलेज के प्राचार्य / प्रबंधक के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने प्रवेश में आरक्षण नियमों का पालन करने और निर्धारित सीटों के मुताबिक ही प्रवेश लेने के निर्देश दिये हैं। यह भी कहा है कि सेक्शन में मानक के मुताबिक छात्र संख्या ही रखी जाए।

स्वीकृत सीटों एवं पाठ्यक्रमों में पारदर्शिता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने सभी सम्बद्ध अनुदानित, राजकीय एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों को पाठ्यक्रम एवं सीटों को लेकर पारदर्शिता हेतु निर्देशित किया है। जिन महाविद्यालयों में जो भी कोर्स चल रहे हों, विश्वविद्यालय ने उसकी मान्यता प्रदान की हो, केवल उन्हीं में दाखिले लिए जाये। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का कहना है कि प्रत्येक विषय में स्वीकृत सीटों से अधिक दाखिले न लिए जाएं। स्नातक स्तर पर एक कक्षा में 60 से अधिक एवं पीजी स्तर पर प्रायोगिक विषय में 30 एवं अप्रायोगिक विषय में 60 छात्र से अधिक न हों। परिनियम के अनुसार कुलपति की अनुमति से मानकपूर्ण होने पर 60 की संख्या 80 की जा सकती है। विषयवार स्वीकृत सीटों से अधिक संख्या में प्रवेश उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के अंतर्गत कार्यवाही कर निरस्त किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त सभी विषयों, पाठ्यक्रमों में प्रवेश के पूर्व यूजीसी अर्हताधारी प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। सभी स्थानों पर रिक्त सीटों का विवरण एवं भरे हुए पदों का विवरण 31 जुलाई, 2017 तक उपलब्ध करा दें।

राज्य विश्वविद्यालय की सत्र 2017-18 एम0 एड0 की प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित एम0 एड0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये प्रवेश परीक्षा 20 अगस्त सुबह नौ बजे से 11:00 बजे तक कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज में आयोजित की जाएगी। पंजीकृत अभ्यार्थियों के प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की बेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर प्रवेश परीक्षा में भाग ले सकते हैं। यह जानकारी कुलसचिव डॉ0 साहबलाल मौर्य ने दी।

प्रवेश में तीन साल अंतराल पर राहत

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने तीन साल तक अंतराल की वजह से परास्नातक प्रवेश से वंचित हो रहे छात्रों को राहत दे दी है। ऐसे छात्र इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकेंगे। मंगलवार को हुई समिति की आपात बैठक में तय हुआ है कि छात्रहित को देखते हुए तीन साल के गैप ईयर वाले छात्रों को पीजी प्रवेश की छूट दी जाएगी लेकिन यह छूट सिर्फ वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए ही अनुमन्य होगी। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष से पीजी में सेमेस्टर सिस्टम लागू किया है और इस सिस्टम में अन्तराल ईयर पर प्रवेश की व्यवस्था नहीं है। इन प्रभावित विद्यार्थियों द्वारा दिए गए प्रत्यावेदन पर निर्णय लेने के लिए कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने प्रवेश समिति की आपात बैठक बुलाई थी, जिसमें तीन साल तक गैप वालों को राहत मिली।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश
21 अगस्त से 31 अगस्त तक सम्पन्न

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश 21 अगस्त से होंगे। विश्वविद्यालय ने काउंसिलिंग के लिए शुक्रवार को मेरिट सूची जारी कर दी। हिन्दी में एक से 20 वीं रैंक तक, अर्थशास्त्र में एक से 17वीं रैंक, राजनीतिक विज्ञान में एक से 23वीं रैंक, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति एक से 33वीं रैंक तक, एमएसडब्लयू में एक से 26वीं रैंक तक के एमकॉम में एक से 18वीं रैंक तक के विद्यार्थियों को 21 अगस्त को काउंसिलिंग के

लिए बुलाया गया है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश 22 से शुरू होंगे। बीएएलएलबी, बीएएमएलआएससी व बीबीए में प्रवेश की काउंसिलिंग 22 अगस्त को होंगी। बीपीएड, बीसीए व एमएलआइएससी के विद्यार्थियों को 23 अगस्त को बुलाया गया हैं। एलएलबी के विद्यार्थियों को 24 अगस्त व एमएड में सफल अभ्यार्थियों की काउंसिलिंग 25 अगस्त को होगी। यह जानकारी कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य ने दी।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2017) के पावन अवसर पर

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा धवजारोहण एवं सम्बोधन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई0 कैम्पस में सुबह 08:00 बजे कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने झंडारोहण किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अन्य आगन्तुको को बदलते परिदृश्य में 'नवीन भारत' के निर्माण के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रेषित पत्र के संदर्भानुसार सभी ने 'नवीन भारत' के निर्माण के लिए निम्नांकित 'संकल्प' (pledge) लिया

हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं एक नये भारत का।
1942 में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने एक संकल्प लिया था,
भारत छोड़ो का और 1947 में वह महान संकल्प सिद्ध हुआ, भारत स्वतंत्र हुआ।
हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं 2022 तक नये भारत के निर्माण का।
हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं, स्वच्छ भारत का।
हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं, गरीबी मुक्त भारत का।
हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं, भ्रष्टाचार मुक्त भारत का।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का वार्षिक कैलेण्डर जारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में स्नातक एवं परास्नातक पहले वर्ष में प्रवेश से जुड़ी सभी प्रक्रियाएँ इस साल 31 अगस्त तक पूरी कर ली गयीं। राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने शैक्षिक सत्र 2017–18 का वार्षिक कैलेण्डर जारी करते हुए यह जानकारी दी है कि सभी महाविद्यालय 15 सितम्बर तक प्रवेशित छात्रों की सूची राज्य विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे। स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पहली सितंबर से शुरू होगा और इसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर होगी। सभी कक्षाओं के लिए आरटीजीएस के माध्यम से 15 अक्टूबर तक परीक्षा शुल्क एवं नामांकन शुल्क जमा किए जायेंगे। सत्र 2017–18 की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षाएँ अगले साल एक से 28 फरवरी के बीच कराई जायेंगी।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा जारी
समस्त अंकपत्र एवं प्रमाण पत्रों पर अब आधार नंबर अनिवार्य

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों के अंकपत्र और प्रमाणपत्र पर अब आधार नंबर भी अंकित किए जायेंगे। देश भर में केंद्रीय, राज्य एंव निजी विश्वविद्यालय के साथ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने भी डिजिटल पहल की है और इस बाबत कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों को दिशा–निर्देश जारी कर दिये हैं।

प्रो0 प्रसाद ने महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि नव–प्रवेशित सभी छात्र–छात्राओं के आधार नंबर एवं अन्य विवरण सम्बन्धित महाविद्यालयों के लॉग–इन पर ऑनलाइन शीघ्र उपलब्ध हों, ताकि विद्यार्थियों के अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र पर उनका आधार नंबर अंकित किया जा सके। प्रसाद ने बताया कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के महज एक वर्ष के कार्यकाल में डिजिटल क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। सभी संबद्ध 548 महाविद्यालयों को 'लॉग इन' पासवर्ड देकर डिजिटल सुविधा प्रदान की गई है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा 30 जुलाई को सम्पन्न

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा एम0ए0 हिंदी, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति, एमकॉम एवं एम0एस0डब्ल्यू में प्रवेश के लिए 30 जुलाई को कुलभाष्कर आश्रम पीजी कालेज में सम्पन्न हुई। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य द्वारा अधिसूचना के क्रम में एम0एस0डब्ल्यू की प्रवेश–परीक्षा अपराह्न दो से चार और बाकी विषयों की परीक्षा सुबह नौ से ग्यारह बजे तक हुई।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परास्नातक पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली लागू

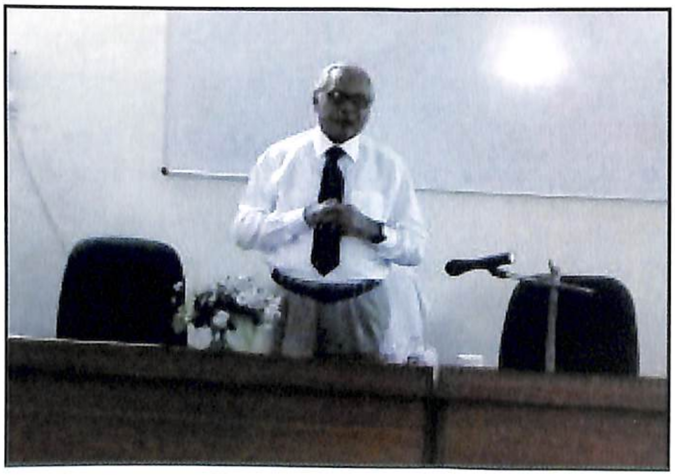

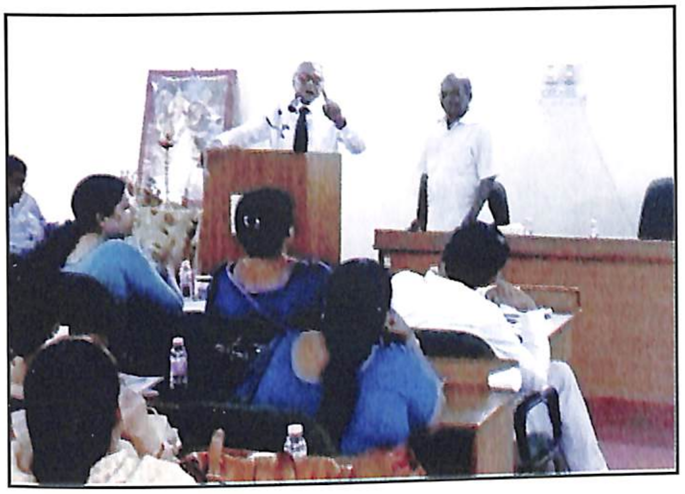

एकेडमिक कौंसिल की बैठक में सेमेस्टर सिस्टम का अध्यादेश अनुमोदित कर शैक्षिक सत्र 2017–2018 से विश्वविद्यालय और सम्बद्ध डिग्री कालेजों में पीजी स्तर के पाठ्क्रमों में सेमेस्टर लागू करने का निर्णय लिया गया। कौंसिल द्वारा हिन्दी, संगीत, संस्कृत, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, भूगोल, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, विधि, दर्शनशास्त्र, सैन्य विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, पेंटिग, उर्दू, समाज कार्य, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, बी0एड0, वाणिज्य, कृषि विज्ञान, प्राचीन इतिहास, कृषि उद्यान विज्ञान, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन, शारीरिक शिक्षा, गणित, भौतिक विज्ञान, कृषि विज्ञान, बी0बी0ए0, एम0बीए0, बीएस0सी0, बायोटेक, एम0एस0सी0 बायोटेक, एम0एड0, बी0सी0ए, बी0एस0सी0 कम्प्यूटर साइंस, बी–लिब के साथ स्नातक एवं पी0जी0 के नये पाठ्यक्रमों को मंजूरी दे दी गयी है। बैठक में एकेडमिक कौंसिल के सम्मानित सदस्य, रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य, प्रो0 आरबीएस वर्मा, प्रो0 जे0एन0मिश्र, प्रो0 जे0एन0पाल आदि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित एकेडमिक कौंसिल द्वारा शोध अध्यादेश (पी-एच0डी0) को स्वीकृति

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की एकेडमिक कौंसिल ने शोध अध्यादेश पर भी स्वीकृति दे दी है। अब इस अध्यादेश को कार्य परिषद् की बैठक में रखा जाएगा। वहां से अनुमोदनोपरान्त इसे स्वीकृति के लिए शासन/राजभवन भेजा जाएगा।

काव्यसंग्रह की रायल्टी 'कुलाधिपति पदक' के लिए समर्पित :

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने हाल ही में प्रकाशित अपने काव्य–संग्रह 'समर शेष है' की बिक्री पर मिली रायल्टी 51 हजार रूपये की धनराशि विश्वविद्यालय को दान कर दिया है, जिससे हर वर्ष दीक्षान्त के अवसर पर विश्वविद्यालय टॉप करने वाले विद्यार्थी को 'चांसलर मेडल' (कुलाधिपति पदक) प्रदान किया जाएगा। सम्बंधित धनराशि का चेक राजभवन में कुलाधिपति महोदय, प्रमुख सचिव जूथिका पाटणकर के समक्ष राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के वित्त अधिकारी श्री डी0पी0त्रिपाठी को हस्तगत करा दिया गया है।

अगले सत्र से होगा एएसयू का दीक्षांत समारोह

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधित) विधेयक 2013 के तहत 26 मार्च 2013 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के स्थापना की अनुमति प्रदान की गई थी। 17 जून 2016 से राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की देखरेख में पठन–पाठन एवं अन्य कार्यों का शुभारम्भ हुआ।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह अगले सत्र से होगा। अभी विश्वविद्यालय प्रवेश कार्य, समय से परीक्षा, पाठ्यक्रमों के बदलने, सेमेस्टर सिस्टम लागू करने, प्रथम परिनियमावली एवं अध्यादेश तैयार करने व सत्र को सुचारू रूप से चलाने में लगा हुआ है।

राज्य विश्वविद्यालय में बैक पेपर भरने के लिए आवेदन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की संस्थागत एवं व्यक्तिगत वार्षिक परीक्षा के बैक पेपर के लिए आवेदन 19 अगस्त से 10 अक्टूबर 2017 तक ऑनलाइन किये जायेंगे। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन पेमेंट 12 अक्टूबर 2017 तक किया जा सकता है। बैक पेपर परीक्षा की पात्रता विषयक विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर उपलब्ध है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय हर वर्ष की मार्कशीट देगा

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों को हर वर्श मार्कशीट देने का फैसला किया है। कानपुर विश्वविद्यालय के आर्डिनेंस अनुपालन से संचालित राज्य विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में तय हुआ है कि स्नातक में प्रथम, द्वितीय वर्ष की तथा परास्नातक में प्रथम वर्श की भी मार्कशीट दी जायगी। कानपुर विश्वविद्यालय में केवल अंतिम वर्ष की मार्कशीट दी जाती है।

राज्य विश्वविद्यालय जैसे–जैसे अपनी नियमावली तैयार कर रहा है उसका अनुमोदन भी करा ले रहा है। इसी दिशा में राज्य विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को अंकपत्र देने के मामले में अपनी विनियमावली लागू की है। एकेडमिक कौंसिल की बैठक में मार्कशीट के प्रारूप को तय कर लिया गया है। महाविद्यालयों से विद्यार्थियों का डेटा, उनकी फोटो, आधार कार्ड संख्या आदि का विवरण तैयार किया जा रहा है। जैसे ही इलाहाबाद, प्रतापगढ़, कौशाम्बी व फतेहपुर जनपदों में स्थित सभी संबद्ध महाविद्यालयों से डेटा आ जाएगा, मार्कशीट देने का कार्य शुरू होगा। विश्वविद्यालय अभी इलाहाबाद कैंपस से प्रथम व द्वितीय वर्ष की प्रोविजनल मार्कशीट दे रहा है, ताकि विद्यार्थी छात्रवृत्ति आदि के लिए आवेदन से वंचित न रहें। राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि मार्कशीट की डुप्लीकेसी न हो सके, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। इसे न तो फाड़ा जा सकेगा और न ही इसके साथ छेड़छाड़ हो सकेगी। इनकी स्नैकिंग कर डुप्लीकेट कॉपी नहीं बनाई जा सकेगी। कुछ चिन्ह व फीचर्स ऐसे हैं, जो स्कैन या फोटोकॉपी करने में आएंगे ही नहीं। ऐसे में फर्जी मार्कशीट नहीं बन सकेगी। राज्य विश्वविद्यालय मार्कशीट तैयार होने के बाद महाविद्यालयों में भिजवा देगा। महाविद्यालयों ही छात्रों को मार्कशीट क़ा वितरण करेंगे। मार्कशीट वितरण के दौरान कोई अनियमितता न हो, इसके लिए अपने स्तर से निगरानी रखेगा।

राज्य विश्वविद्यालय में अगले सत्र से नया शुल्क

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में अगले सत्र 2018–19 से नया शुल्क लिए जाने की व्यवस्था लागू होने जा रही है। रविवार को विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद की आपात बैठक बुलाकर विश्वविद्यालय के शुल्क संबंधी अध्यादेश के प्रारूप को अनुमोदित कर दिया गया। प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए शासन को प्रेषित किया गया है।

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में हुई कार्यपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय की वित्त समिति की ओर से पारित शुल्क सम्बंधी किए गए अध्यादेश को अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर के पुस्तकालय हॉल में हुई बैठक के दौरान शैक्षिक एवं प्रशासनिक विकास जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। तय हुआ कि शासन की स्वीकृति के उपरान्त नया शुल्क सत्र 2018–19 से लागू किया जाएगा।

श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, आंध्र प्रदेश द्वारा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद को 'SEAP Life Time Achievement Award' प्रदत्त

श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, आंध्र प्रदेश के यू0जी0सी0 सेंटर फॉर साउथ ईस्ट एशियन एण्ड पैसिफीक स्टडीज में आयोजित "South China Sea: Emerging Scenario" विषयक दिनांक 24 से 27 जुलाई, 2017 चलने वाले अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद को 'SEAPS Life Time Achievment Award' से सम्मानित किया गया। प्रो0 प्रसाद को सेंटर द्वारा आयोजित इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन भाषण एवं इस सम्मान हेतु विशेषरूप से आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर प्रतिभागी विशेषज्ञ, विदेशी प्रतिनिधि और पूर्व राजदूत फेबियन आदि ने प्रो0 प्रसाद के योगदान पर चर्चा किया।

INVITATION

Centre for Southeast Asian & Pacific Studies
Sri Venkateswara University
Tirupati, India
Cordially invites you to the Valedictory Session of

International Conference on
South China Sea: Emerging Scenario

Venue: Hotel Pai Viceroy
Date: 26 July 2017 Time: 3.30 pm

Prof. K. Raja Reddy
Former Director, Centre for Southeast Asian and Pacific Studies
Sri Venkateswara University, Tirupati
presides

Amb. K.P. Fabian
Former Ambassador, Ministry of External Affairs, Govt. of India
Chief Guest

Prof. P.V. Rao
Former Director, Centre for Indian Ocean Studies
Osmania University
&
Prof. M. Devarajulu
Registrar, Sri Venkateswara University, Tirupati
Guests of Honour

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor, Allahabad State University, Allahabad, Uttar Pradesh
delivers the Valedictory Address

Prof. Nie Wanjuan
China Foreign Affairs University, Beijing, China
Special Invitee

Indian Council of World Affairs

SHAMBHUNATH GROUP OF INSTITUTIONS
SHAMBHUNATH INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY (SIET)
SHAMBHUNATH INSTITUTE OF PHARMACY (SIP)
SHAMBHUNATH INSTITUTE OF MANAGEMENT (SIM)
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to Gautam Buddha Technical University, Lucknow

Ref.
Date 31.7.17

To,

Prof. Rajendra Prasad,
Hon'ble Vice Chancellor,
Allahabad State University,
Allahabad

Dear Sir,

I, on behalf of the family of Utthan and Shambhunath Group of Institutions, wish to congratulate you on your being conferred the **"Life time Achievement Award"** by **UGC Centre for South East Asian and Pacific Studies at Venkateshwar University, Tirupati.**

Your message on the University Portal speaks volumes of your vision – *"with the goal of providing higher education to the younger generation and making it a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power"*

Certainly your willingness to Dedicate your time and effort to the cause of enrichment of education and its values, has contributed to your being conferred the Prestigious Award. We wish you all the best.

I am sure that under your great leadership, wisdom and guidance the Allahabad State University and the students will strive to greater heights and achievements

Let me once again reiterate my sincere congratulations on your Recognition.

With Best Regards

(Dr. K. K. Tewari)
Secretary, Utthan

INSTITUTE ADDRESS Jhalwa, Allahabad 211012 Ph. 0532 3298810, 2552087.
E-mail mail@siet.in • mail@siponline.in • mail@simald.org
Website www.siet.in • www.siponline.in • www.simald.org

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद भारत के लब्ध–प्रतिष्ठ सुरक्षा विशेषज्ञ हैं। इन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विषयों पर पिछले चार दशकों से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। आपने दीनदयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय में 18 वर्षों तक रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष पद को सुशोभित किया है एवं तत्क्रम में विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर भी कार्य किया है। अबतक आप द्वारा रचित 15 पुस्तकों सहित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में सुरक्षा से संबंधित आपके अनेक शोध–पत्र प्रकाशित हुए हैं। आप अनेक प्रतिष्ठित अकादमिक निकायों व संस्थानों के सदस्य रहे हैं। प्रो0 प्रसाद को रक्षा विषयक उनके मौलिक कृति/लेखन के लिए रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का द्वितीय पुरस्कार (1990) के साथ–साथ यूनाइटेड नेशन स्कालरशिप (1996),

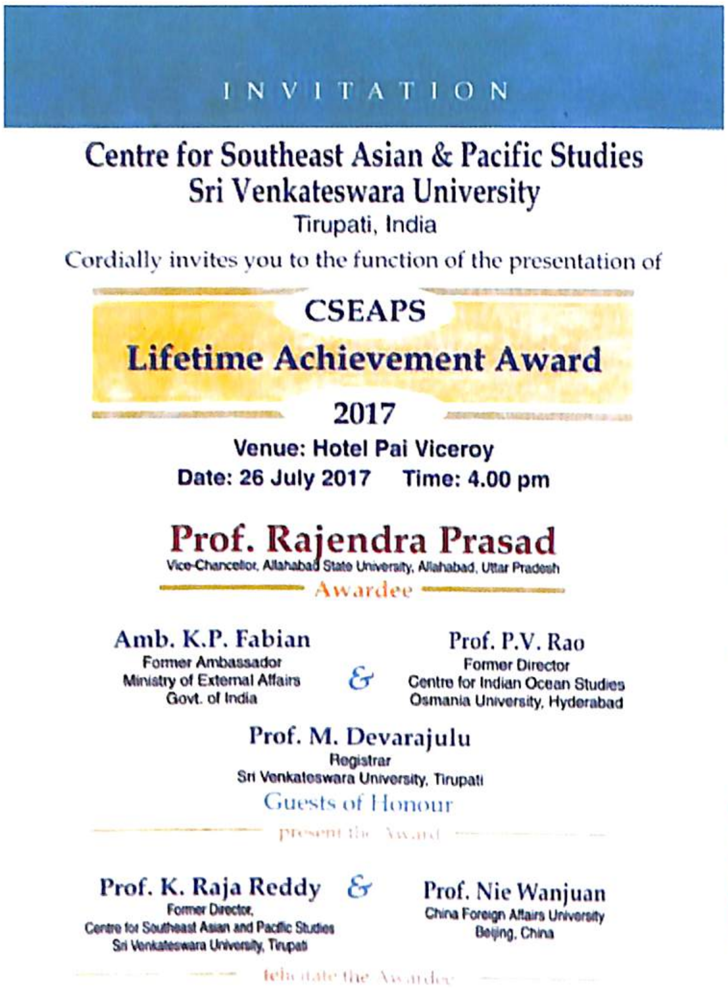

INVITATION

Centre for Southeast Asian & Pacific Studies
Sri Venkateswara University
Tirupati, India

Cordially invites you to the function of the presentation of

CSEAPS
Lifetime Achievement Award
2017

Venue: Hotel Pai Viceroy
Date: 26 July 2017 Time: 4.00 pm

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor, Allahabad State University, Allahabad, Uttar Pradesh
Awardee

Amb. K.P. Fabian
Former Ambassador
Ministry of External Affairs
Govt. of India

&

Prof. P.V. Rao
Former Director
Centre for Indian Ocean Studies
Osmania University, Hyderabad

Prof. M. Devarajulu
Registrar
Sri Venkateswara University, Tirupati

Guests of Honour
present the Award

Prof. K. Raja Reddy
Former Director,
Centre for Southeast Asian and Pacific Studies
Sri Venkateswara University, Tirupati

&

Prof. Nie Wanjuan
China Foreign Affairs University
Beijing, China

felicitate the Awardee

सॉल्जवर्ग ग्लोबल सेमिनार फेलोशिप (2007), ऑक्सफोर्ड राउंड टेबल सम्मान (2005), राजीव गाँधी एजुकेशन एवार्ड (2012) एवं इन्दिरा गाँधी शिक्षा शिरोमणि पुरस्कार (2012), एफ.एम.एस.एच. फेलोसिप, फ्रांस (2013), जैसे अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मानों एवं पुरस्कारों से नवाज़ा गया है।

पं दीनदयाल के दर्शन/चिंतन पर

संगमनगरी में स्थित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में होगा शोध

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक व कृषि संबंधी चिंतन व एकात्म मानववाद दर्शन पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ' की स्थापना की जाएगी। प्रदेश सरकार ने इसके लिए विश्वविद्यालय को 50 लाख रूपये मंजूर किए हैं। विश्वविद्यालय ने पीठ की स्थापना के लिए रिसर्च एसोसिएट और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए शासन के पास प्रस्ताव भेजा हैं।

भारत में ऐसे विचारक व दर्शनशास्त्री रहे हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व में गौरव व सम्मान दिलाया। इसी श्रेणी में पंडित दीनदयान उपाध्याय का नाम आता है। यह वर्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्मशताब्दी वर्ष है। इसी के तहत राज्य विश्वविद्यालयों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

ये करेगी शोध पीठ

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व रंग कृतित्व पर विविध शोधपरक गतिविधियों का आयोजन करना।
- पंडितजी के विचारों, चिंतन, दर्शन को विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल करना।

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन व दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रशिक्षण एवं लोक शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
- राष्ट्रीय महत्व के संगठनों के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) प्राप्त करना। सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन व अध्ययन करना।
- संगोष्ठियों, सम्मेलनों, व्याख्यानों का आयोजन।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय सम्बंधी सम–सामयिक विषयों पर विजिटिंग प्रोफेसर्स को आमंत्रित करना।
- सम्बंधित प्रशिक्षण, लोक–शिक्षण व प्रचार–प्रसार।
- लघु–पुस्तिकाओं व लेखों को पुस्तक रूप में प्रकाशित करना।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय से सम्बंधित पुस्तकालय व सूचना केंद्र की स्थापना करना।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयी गतिविधि

''भारतीय समाज में महिलाओं की बदलती हुई स्थिति'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (29-30 जुलाई 2017) में सहभागिता

सभ्यता के प्रारम्भ में पुरूष और महिला दोनों अपनी उत्तरजीविता के लिए सहभागी थे। कालान्तर में इस स्थिति में बदलाव आया। महिलाएं सबसे ज्यादा मुस्लिम आक्रमणों में प्रभावित हुईं। धीरे–धीरे उनकी स्थिति में बदलाव हुआ। अब वे पहले से ज्यादा मानसिक और आर्थिक रूप से सबल हुई हैं। बहुत सारे समाज में बदलाव भी हुए हैं, पर बदलाव ज्यादातर भौतिक हैं। समाज को महिलाओं के प्रति मानसिक बदलाव लाने की जरूरत है। उक्त विचार इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान में सर्वेश्वरी पीजी कॉलेज, धनुहा में आयोजित द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

'भारतीय समाज में महिलाओं की बदलती हुई स्थिति' विषय पर मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने परिवर्तन को शाश्वत नियम बताते हुए, भौतिक, नैतिक एवं मानसिक परिवर्तन को महिलाओं के सन्दर्भ में आवश्यक बताया। उन्होंने भौतिक एवं नैतिक परिवर्तन के लिए विशेष मानसिक अवस्था पर बल दिया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ0 राज बावेजा एवं कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व–कुलपति प्रो0के.वी. पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इतिहासकार प्रो0 आर0पी0 त्रिपाठी ने महिलाओं की सशक्त स्थिति के लिए 'नारी का विकास', सबका विकास के नारे पर बल दिया। संगोष्ठी में कई विश्वविद्यालयों से आये हुए सौ से अधिक शोधार्थियों ने तकनीकी सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 मयाशंकर सिंह ने किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ0 पी0के0 केसरवानी की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी में प्रबंधक डॉ0 वीना सिंह, डॉ0 स्मृति सिंह, डॉ0 दीपमाला मिश्रा, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी रसराज, प्रो0 हर्ष कुमार, अनुपम जायसवाल, डॉ0 विमला मिश्रा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

‘टाउन एवं गाउन’ क्रियाकलाप के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

इलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (ए0जी0एम0) के वार्षिक समारोह में सहभागिता

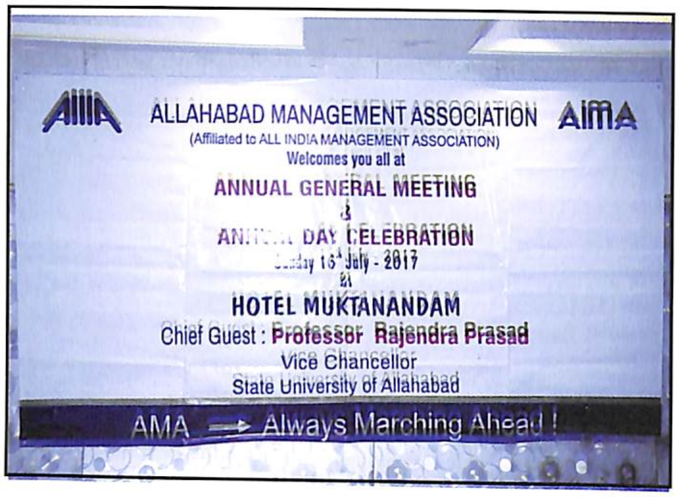

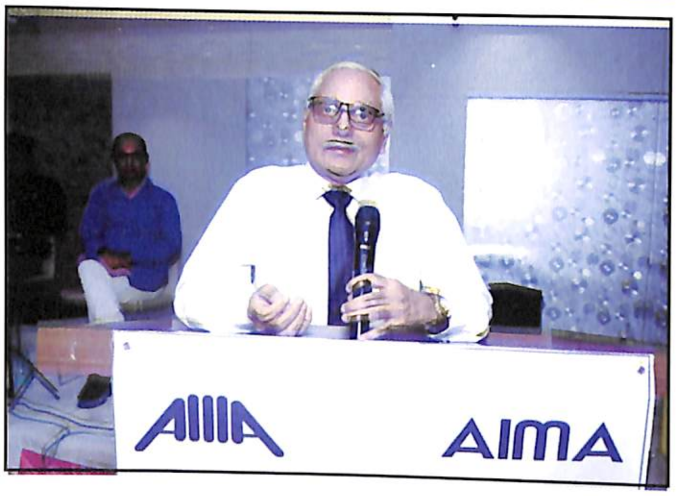

इलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा 16 जुलाई, 2017 को सिविल लाइंस स्थित मुक्तनंदम होटल, इलाहाबाद में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों का स्वागत एवं मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया गया । इसके बाद ए0जी0एम0 के सचिव श्री रवि प्रकाश ने वित्तीय वर्ष 2016–17 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। समारोह में 125 सदस्यों ने भाग लिया था जिसमें श्री बी0के0 मिश्रा, पूर्व कमिश्नर, इलाहाबाद, श्री रतन प्रकाश, जी0एम0, बी0पी0सी0एल0 कम्पनी, इलाहाबाद, श्री संजीव सरीन, प्रेसिडेंट, रिलायंस इंड्रस्टी, इलाहाबाद, श्री के0के0सिंह, सीओ, कोरल, इलाहाबाद, श्री सी0पी0सिंह, निदेशक बी0बी0एस0, इलाहाबाद, श्री ए0सी0शर्मा, भूतपूर्व, डी0जी0पी0, इलाहाबाद, श्री जी0के0खरे, पूर्व अध्यक्ष रेलवे बोर्ड, प्रो0 के0के0भूटानी, निदेशक, यू0पी0टेक, इलाहाबाद के अन्य प्रमुख हस्तियां उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

'क्या कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा सलामत रहना चाहिए'?

दैनिक जागरण, इलाहाबाद द्वारा आयोजित इस विषय की परिचर्चा में 'प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद' का व्याख्यान

दैनिक जागरण की सोमवारीय अकादमिक बैठक (14 अगस्त 2017) में विशिष्ट व्याख्यान हेतु आमंत्रित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने जम्मू–कश्मीर में धारा 370 एवं धारा 35 ए का व्याख्यान करते हुए 'क्या कश्मीर का विशेष दर्जा सलामत रहना चाहिए' विषय पर अपनी बात शुरू करते हुए कहा जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा हेतु धारा वाले 35ए व धारा 370 भारत के लिए अब नासूर बन गये हैं। इसके समाधान के लिए इस वक्त सही माहौल है, लेकिन सरकार को जल्दबाजी के स्थान पर 'वेट, वाच, देन डिसाइड' की नीति अपनाना चाहिए। जम्मू–कश्मीर की अपनी आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक जटिलताएँ हैं। अभी मामला सुप्रीमकोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए भी सरकार के हाथ बंधे हैं। धारा 35ए को हटाना और विशेष दर्जा खत्म करना इतना आसान नहीं है, जरूरी है कश्मीर घाटी में आतंरिक सुरक्षा को पुख्ता करना और वहां रह रहे लोगों की धारणा बदलना। यदि कोई भी बदलाव वहां की जनता को भरोसे में लिए बगैर हुआ तो परिणाम और भयावह हो सकते हैं। 35 ए वर्ष 1954 में अध्यादेश के जरिए जोड़ी गई थी। इस संबंध में संसद में चर्चा नहीं हुई थी। मंत्रणा के दौरान संपादकीय सहयोगियों ने अपनी जिज्ञासाएं रखी। इसका समाधान प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने किया।

श्रीकृष्ण शिक्षा एवं संस्कृति प्रचारिणी सभा द्वारा 'श्रीकृष्ण महोत्सव' में आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता :

श्रीकृष्ण शिक्षा एवं संस्कृति प्रचारिणी सभा के तत्वावधान में रविवार को के0पी0कम्यूनिटी हाल, इलाहाबाद में श्रीकृष्ण महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि ''श्रीकृष्ण का बहुआयामी जीवन अपने भीतर उदात्त मानवीय मूल्यों को समेटे हुए है। मानवता की रक्षा के लिए उन्होनें सतत् संघर्ष किया और मानवीय मूल्यों के संवर्धन के लिए कार्य किया। उनके उपदेश नये युग का उद्घोष करते हैं।''

अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति सभाजीत यादव ने कहा कृष्ण की शिक्षा सार्वकालिक है। उनके उपदेश जीवन की पूर्णता का संदेश देते हैं। इस अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली के प्रो0 शुकदेव घोई ने कहा गीता का उपदेश मानव कल्याण का आधार है। रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 ओमप्रकाश ने कहा आतंकवाद श्रीकृष्ण के जन्म से पूर्व भी था, जिसका सफाया श्रीकृष्ण ने सफलता पूर्वक किया। समारोह में उपस्थित जन–समूह को वृन्दावन के डॉ0 अनंत कुमार यादव, विंग कमाण्डर इन्द्र बहादुर यादव, डॉ0 असीम सत्यदेव, अनिल कुमार, डॉ0 किशन यादव ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर डॉ0 विमलेश सिंह यादव की पुस्तक का विमोचन भी हुआ। इस दौरान अशोक कुमार वर्मा, संदीप यादव, विवेक कृष्ण, प्रभात कुमार, गुलाब चन्द्र, अरूण कुमार पाण्डेय, अदिति पाण्डेय, सौम्या कृष्ण, उर्मिला देवी, निधि यादव, साधना रामानन्द समेत विशाल जन–समूह उपस्थित था।

छायाचित्र प्रदर्षनी ''नीर-गगन'' का उद्घाटनः

21 अगस्त को इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के निराला सभागार में प्रो0 राजेन्द्र प्रसार, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने डॉ0 आर0 के0 टण्डन द्वारा लिए गये छायाचित्रों की प्रदर्शनी 'नीर–गगन' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कलाप्रेमी, शिक्षक–शिक्षिकायें और विद्यार्थीगण वहाँ उपस्थित थे।

A PHOTOGRAPHY EXHIBITION

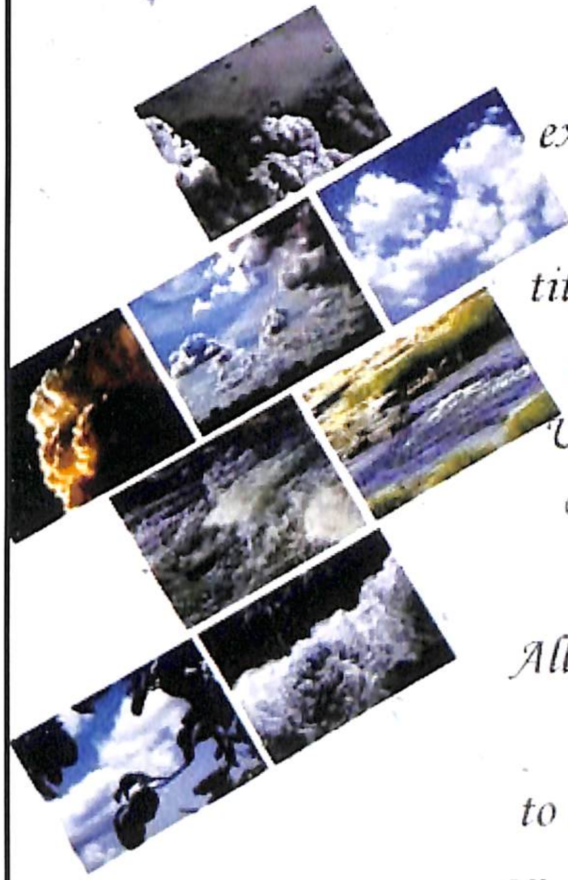

You are cordially invited to witness an exhibition of photographs by Dr. R.K. Tandon, titled 'NEER-GAGAN', at Nirala Art Gallery, University of Allahabad. Prof. Rajendra Prasad, Vice Chancellor, Allahabad State University, has kindly consented to inaugurate the exhibition on Monday, August 21, 2017 at 3:30 p.m.

R.K. TANDON

'लोक कलाओं का राष्ट्र निर्माण में योगदान' विषय पर संगोष्ठी

दिनांक 18 अगस्त 2017 को 'भारतीय लोक कला महासंघ' और 'स्वर्ग रंगमंडल' के संयुक्त तत्वावधान में एन0सी0जेड0सी0सी0 के प्रेक्षागृह में 'लोक कलाओं का राष्ट्र निर्माण में योगदान' विषय पर संगोष्ठी हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डी0एम0 संजय कुमार ने कहा कि लोक कलाएं भारतीय संस्कृति की विरासत हैं। इसके संरक्षण और विकास के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास किए जायेंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि लोक कला को बढ़ावा देने के लिए कलाकारों का सम्मान जरूरी है।

रंगकर्मी प्रवीण शेखर ने कहा कि लोक कलाओं के विकास में अतुल यदुवंशी द्वारा प्रयास सराहनीय है। डॉ. धनंजय चोपड़ा ने लोक कला के विविध आयाम पर प्रकाश डाला। रंगकर्मी अतुल यदुवंशी ने जिले के लोक कलाकारों के अभिलेखों का विवरण डी0एम0 को सौंपा।

साथ ही उन्होंने उच्च और माध्यमिक शिक्षा में लोक कलाकारों को नियुक्त किये जाने की मांग की। रंगकर्मी शैलेश श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कलाकारों ने नौटंकी 'सुनहरा कल' की प्रस्तुति द्वारा स्वच्छता का संदेश दिया जिसका स्वागत रंगकर्मी अतुल यदुवंशी, संयोजन युवा रंगकर्मी धीरज अग्रवाल और संचालन डॉ0 शैलेश गौतम ने किया।

इलाहाबाद राज्य विवि के पीजी में प्रवेश की तिथि बढ़ी

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब 12 जुलाई तक एमए हिंदी, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास सभ्यता एवं पुरातत्व, राजनीति विज्ञान, एमएसडब्ल्यू, एमकॉम में ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पहले अंतिम तिथि 30 जून थी। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित की गई है। यह जानकारी कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य ने दी।

एएसयू ने बदले कई परीक्षा केंद्र

प्रो. राजेंद्र प्रसाद को लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद को श्रीवेंकटेश्वर विवि तिरुपति ने लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से नवाजा है। उन्हें यह पुरस्कार तिरुपति में यूजीसी द्वारा स्थापित सेंटर फॉर साउथईस्ट एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज द्वारा प्रदान किया गया। वे श्रीवेंकटेश्वर विवि में 24 से 27 जुलाई के बीच आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 'साउथ चाइना सी : इमर्जिंग सिनेरियो' में भाग लेने गए थे। प्रो. राजेंद्र प्रसाद देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विषयों पर पिछले चार दशकों से इन्हें देश-विदेश से बुलाया जाता है। वे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 18 साल तक रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष रहे हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर भी कार्य किया है। इनकी अब तक 15 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके शोध पत्र देश-विदेश के जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्हें रक्षा मंत्रालय भी पुरस्कृत कर चुका है। यूनाइटेड नेशन की फेलोशिप, ऑक्सफोर्ड राउंड टेबल सम्मान, राजीव गांधी एजुकेशन अवार्ड, इंदिरा गांधी शिरोमणि पुरस्कार जैसे कई पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है।

राज्य विवि ने एलएलबी के कई परीक्षा केंद्र बदले

प्रमाणपत्र पर अब आधार नंबर भी

राज्य विवि ने कुलपति ने संबद्ध महाविद्यालयों को जारी किए निर्देश

पकड़े गए 20 नकलची

पं. दीनदयाल के दर्शन–चिंतन पर संगमनगरी में होगा शोध

एएसयू की पीजी कक्षाओं में बची सीटों पर प्रवेश आज

एएसयू में पीजी कक्षाओं की दूसरी काउंसिलिंग आज

'सुरक्षा से बड़ा कोई कानून नहीं हो सकता'

अकादमिक परिषद में बोले इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद

राज्य विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली लागू

एएसयू के पीजी कोर्सों में सेमेस्टर सिस्टम लागू

हर वर्ष की मार्कशीट देगा एएसयू

39 पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली लागू करेगा राज्य विवि

राज्य विवि में प्रवेश का आज आखिरी मौका

इलाहाबाद। एएसयू में एमए के पाठ्यक्रमों की बची सीटों पर 31 अगस्त को तीसरी काउंसिलिंग से प्रवेश होगा। कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य ने बताया कि गुरुवार प्रवेश की अंतिम तिथि है। हिन्दी में 11, अर्थशास्त्र 17, राजनीति विज्ञान में 5, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति में पांच, एमएसडब्ल्यू में छह और एमकॉम में छह सीटों पर प्रवेश होगा।

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन बहुआयामी : राजेंद्र प्रसाद

बैठक में एएसयू के शुल्क अध्यादेश को मिली मंजूरी

29 अगस्त से होगी बीएड प्रथम वर्ष की छूटी परीक्षा

छायाचित्रों में समुद्र से आकाश तक का संसार

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.